अमेरिका में छात्रों के प्रवेश के मामले में भारत शीर्ष पर

[स्रोत: बिज़िनेस स्टैण्डर्ड]

15 वर्षों में पहली बार **अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में भारतीय छात्रों की संख्या 29.4% हो गई है**, जो अन्य सभी देशों से अधिक है।

- अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के प्रमुख स्रोत के रूप में **भारत (जहाँ अब 277,398 छात्र)** ने चीन को पीछे छोड़कर अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली है।
  - इस शैक्षणिक वर्ष (2023-24) में 331,602 भारतीय छात्रों ने दाखिला लिया, जो पिछले वर्ष की तुलना में **23%** अधिक है।
- भारतीय छात्र लगातार **दूसरे वर्ष स्नातक नामांकन (स्नातकोत्तर और PhD स्तर) में अग्रणी हैं, जिसमें 19% की वृद्धि हुई है तथा इसकी संख्या 196,567 तक पहुँच** गई है।
  - **स्नातक नामांकन में भी 13% की वृद्धि** के साथ **कुल 36,053**, जबकि गैर-स्नातक छात्रों की संख्या 28% घटकर 1,426 हो गई है।
- अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की कुल संख्या **2023-24 शैक्षणिक वर्ष** के लिये **1,126,690** तक पहुँच गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7% की वृद्धि दर्शाती है।
- अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिये प्राथमिक वित्तपोषण स्रोतों में व्यक्तिगत और पारिवारिक निधि (54.5%), वर्तमान रोज़गार (21.8%), और अमेरिकी कॉलेज या विश्वविद्यालय वित्तपोषण (19.0%) शामिल हैं।
- **भारत सरकार द्वारा की गई पहल:**
  - शिक्षा सेवाएँ एवं उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण (ES-IHE)- चैंपियन सर्विस सेक्टर स्कीम (CSSS)।
  - शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग संवर्द्धन योजना (SPARC)
- भारत में अध्ययन
  - भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसरों के लिये **UGC दिशा-निर्देश**।

और पढ़ें: [‘अकादमिक और अनुसंधान सहयोग संवर्द्धन योजना’ (SPARC)]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-dominates-admissions-in-the-us